जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

भारतीय भाषा समिति

रिपोर्ट 2024 - 25

संयोजिका : प्रो.संध्या गर्ग

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, की भारतीय भाषा समिति संविधान में वर्णित 22 भारतीय भाषाओं के उत्थान और सम्मान में निरंतर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती है, इसी क्रम में इस वर्ष वक्तृता श्रृंखला प्रारंभ की गई। इसके अंतर्गत विभिन्न भारतीय भाषाओं में व्याख्यान दिए जाएंगे, इस क्रम में सर्वप्रथम 23 नवंबर 2024 को हिंदी लोक नाट्य परम्परा (हरियाणवी सांग के विशेष संदर्भ में) पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो. राजेंद्र गौतम जी को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। प्रो. राजेंद्र गौतम ने हरियाणा की विस्तृत लोक गीतों की परम्परा पर विस्तार से प्रकाश डाला साथ ही सांग के संदर्भ में भी अपने विचार प्रस्तुत किए । 22 फरवरी 2025 को बांग्ला साहित्य पर व्याख्यान देने हेतु प्रो. देवलीना सेठ को आमंत्रित किया गया। प्रो. सेठ ने बंगाली साहित्य से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर किया, जिसमें बांग्ला साहित्य का इतिहास उसकी विकास यात्रा एवं उसके वर्तमान स्वरूप को भी रेखांकित किया गया। दिनांक 17 मार्च 2025 को तेलुगु भाषा एवं साहित्य पर व्याख्यान हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के प्रो. वेंकट रमैया गम्पा को आमंत्रित किया गया। प्रो.गम्पा ने तेलुगु साहित्य से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की, जिसमें तेलुगु का इतिहास, तेलुगु में रामकथा का स्वरूप एवं वर्तमान में तेलुगु साहित्य के स्वरूप आदि महत्वपूर्ण है ।

21 फरवरी 2025 को मातृभाषा दिवस के अवसर पर 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा महोत्सव' का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री सुरेश जैन

और दिल्ली विश्वविद्यालय की भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष प्रो. निरंजन कुमार अध्यक्ष थे। कार्यक्रम में विभिन्न प्राध्यापकों ने अपनी संस्कृत, नेपाली, उड़िया, मणिपुरी, मैथिली, तेलुगु, पंजाबी, उर्दू और मराठी मातृभाषा में व्याख्यान दिया। इसी क्रम में मुक्त शिक्षा विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार तिवारी की अध्यक्षता में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय भाषाएं' के संबंध में व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर कॉलेज में मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के शैक्षणिक - गैर शैक्षणिक वर्ग की सहभागिता उत्साहजन्य थी।